



**अन्तरा
शब्दशक्ति**

प्रकाशन एवं बहुउद्देशीय संस्था
www.antrashabdshakti.com

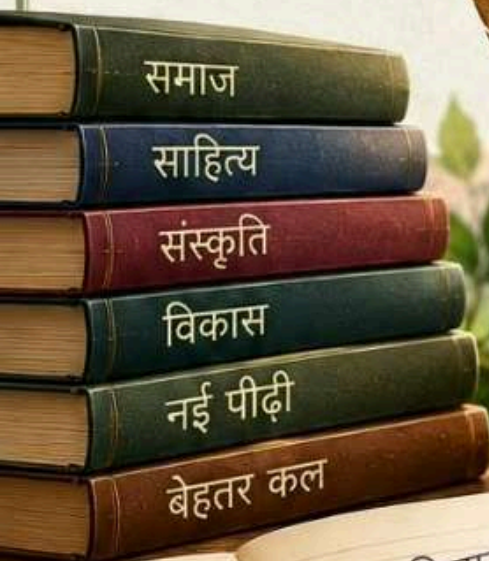
शब्द
से संवेदना तक...
लेखन से
परिवर्तन तक...

हिन्दी
हमारी पहचान
हमारी शक्ति

विचार...
चिंतन...
संवाद...
और
एक बेहतर
कल की ओर...

‘समसामयिक प्रश्नों पर आपकी कलम’

(लेख प्रतियोगिता)



रचनाकार :-

रीति झा

विचारों की
स्याही से
बदलता समाज...

आयोजक:-

अन्तरा शब्दशक्ति प्रकाशन

वारासिवनी (म.प्र.)



अन्तरा शब्दशक्ति

प्रकाशन एवं बहुददेशीय संस्था
www.antrashabdshakti.com

हिन्दी
हमारी पहचान
हमारी शक्ति

शब्द से संवेदन तक...
लेखन से परिवर्तन तक...

कलम की शक्ति, समाज की दिशा

संपादक : डॉ. प्रीति समकित सुराना
तकनीकी संपादक : Webcoodee.com
मुख्य कार्यालय : 15 नेहरू चौक, वारासिवनी,
जिला बालाघाट (म.प्र.) 481331



Antrashabdshaktiprakashan

संपर्क : 9009423393
ईमेल : antrashabdshakti@gmail.com
वेबसाइट : www.antrashabdshakti.com

वैधानिक सूचना

पुस्तक में प्रकाशित सभी रचनाएँ संबंधित रचनाकारों की मौलिक अभिव्यक्तियाँ हैं।
प्रत्येक रचना में व्यक्त विचार, कथ्य एवं अभिमत के लिए संबंधित रचनाकार स्वयं उत्तरदायी हैं।
रचनाओं के चयन एवं प्रकाशन का उद्देश्य साहित्यिक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करना
एवं हिन्दी लेखन को प्रोत्साहित करना है।

हिन्दी
से ही है
पहचान...

विचार...
संवाद...
समाज...
और एक बेहतर कल...

लेख प्रतियोगिता

लेखक/लेखिका - रीति झा

गर्व से कहते हैं – हम बिहारी हैं



गर्व से कहते हैं — हम बिहारी हैं

बिहार की पहचान केवल उसके ऐतिहासिक गौरव या साहित्यिक परंपरा को ही नहीं दर्शाती, बल्कि उसकी लोक-आस्था और जीवंत संस्कृति से भी अवगत कराती है। वैसे तो यहाँ हर पर्व प्रत्येक मनुष्य एवं समाज की आत्मा को स्पंदित करता है, परंतु छठ महापर्व की बात ही निराली है।

छठ केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह बिहार की आत्मा, उसकी श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक है। छठ महापर्व में उदयमान और अस्ताचलगामी सूर्य की आराधना कर मनुष्य प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं।

गंगा या किसी अन्य नदी के किनारे, कुएँ या तालाब के किनारे, जब स्त्रियाँ निर्विकार भाव से अर्घ्य देती हैं, तो वह दृश्य बिहार की लोक-आस्था का सजीव चित्र बन जाता है।

इस पूजा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सादगी और पवित्रता है। बिना किसी आडंबर, बिना लोभ, बस निष्ठा और विश्वास का उत्सव।

बिहार का हर घर छठ में उजाले से भर उठता है। गीतों की मधुर लय, पंचायतों के घाटों की सफाई, घरों में सूप, दौरा, गन्ना, विभिन्न प्रकार के मौसमी फल और इसके साथ-साथ 'ठेकुआ' की सुगंध—ये सब मिलकर बताते हैं कि आस्था सिर्फ धर्म नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव है।

छठ में जो अनुशासन, संयम और स्नेह देखने को मिलता है, वही बिहारी समाज की गहराई को प्रकट करता है। तभी तो इस पर्व के शुरू होने से पहले हमारे जो भाई-बहन बाहर किसी अन्य राज्य में या फिर विदेशों में रहते हैं, उनके दिलों में अपने घर अर्थात् बिहार लौटने की तड़प उठती है।

इसीलिए हम सब गर्व से कहते हैं – हम बिहारी हैं, क्योंकि हमारी संस्कृति में मेहनत है, हमारी परंपरा में श्रद्धा है और हमारी मिट्टी में आस्था की महक बसी है।

- रीति झा



लेखक परिचय

नाम – रीति झा

ग्राम - शिक्षिका जुस्को स्कूल साउथ पार्क
बिस्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड





अन्तरा शब्दशक्ति प्रकाशन

पं.क्र. (04/21/05/207665/19)

अन्तरा
शब्दशक्ति

www.antrashabdshakti.com
प्रकाशन एवं बहुदेशीय संस्था

कलम की शक्ति, समाज की दिशा

सम्मान-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि

आ..... रीति झा जी

ने हिन्दी पखवाड़े के अवसर पर आयोजित "एक लेख प्रतियोगिता" में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए समसामयिक विषय पर अपने विचारों को प्रभावी एवं सार्थक ढंग से अभिव्यक्त किया।

उनकी साहित्यिक अभिव्यक्ति एवं रचनात्मक सहभागिता की सराहना करते हुए अन्तरा शब्दशक्ति प्रकाशन की ओर से यह सम्मान-पत्र सादर प्रदान किया जाता है।

आपकी सृजनशीलता एवं साहित्यिक यात्रा के उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिन्दी विचारों को विस्तार देती है... समाज को जोड़ती है...

हिन्दी
हमारी पहचान...
हमारी शक्ति...

प्रीति सुराना

समकित सुराना

अन्तरा शब्दशक्ति प्रकाशन
एवं संस्था

डॉ. प्रीति समकित सुराना



शब्द से संवेदन तक...

लेखन से परिवर्तन तक...

